*अध्ययन सामग्री

विषय- हिन्दी

स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)

प्रश्न पत्र- षष्ठ

उत्प्रेक्षा और संदेह अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण

पदनाम- डॉ स्मिता जैन

एसोसिएट प्रोफेसर

हिंदी विभाग

एच डी जैन कॉलेज, आरा*

Scanned with CamScanner

(6) उत्प्रेक्षा अलंकार

उपमेय में उपमान की संभावना उत्प्रेक्षा अलंकार है।

"जान पड़ता नेत्र देख बड़े - बड़े
हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े।"

यहाँ प्रस्तुत (नेत्रों) में अप्रस्तुत (हीरों में जड़े नीलम) की संभावना की गई है। 'जान पड़ता' उत्प्रेक्षा का वाचक शब्द है।

"सोहत ओढ़ें पीत पट स्याम सलोने गात,
मनो नीलमणि सैल पर आतप परयो प्रभात।"

Scanned with CamScanner

(7) संदेह अलंकार

अमेय में अमान को संशय सन्देह अलंकार है।

" इन दूबों के हुनगों पर
किसने मोती बिखराये?
या तारे नील गगन के
स्वच्छन्द विचरने आये?
या बंधी हुई हैं आरे की
जिसके कर में हथकड़ियाँ
उस पराधीन जननी की
बिखरी आँसू की लड़ियाँ।"

यहाँ प्रस्तुत ओस कण में मोती, तारे और आँसू का सन्देह है अतः सन्देह अलंकार है।

" चंदकला, कै चंचला, कै चंपे की माल,
कै चामीकर की छरी, सुछवि भरी कै बाल"

यहाँ बाल (नायिका) में चन्द्रकला, बिजली, चम्पा की माला और सोने की छड़ी का सन्देह है।